रजिस्ट्री सं० डी-(डी)-72

REGISTERED No. D-(D)-72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 26, 1976/माघ 6, 1897

No. 24] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 26, 1976/MAGHA 6, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 26th January 1976

No. A-21021/11/75-Ad. IIIB.—The President is pleased, on the occasion of Republic Day 1976, to award Appreciation Certificates to the undermentioned officers of the Central excise Department for exceptionally meritorious service rendered by them when undertaking a task even at the risk of their lives.

(1) *Shri Rethinam Krishnamurthy, Superintendent, Collectorate of Central Excise, Madurai.*

On receipt of information passed by the Assistant Collector, Customs Division, Nagapattinam, to the effect that a launch from Dubai was likely to land contraband on the night of 2nd June, 1974, or on subsequent nights, Shri Krishnamurthy, Inspector, Sea-Base, Cuddalore, got the departmental launch ready for a sea operation and also gathered the crew of the launch with the utmost secrecy and pushed out to sea during high tide at about 20.30 hours on 2nd June, 1974. He was the leader of the party being the only Inspector amongst the staff deployed on the risky venture. He was responsible for directing the entire operation and answerable for the safety of the entire crew of 11, working under his command. The intelligence available to Shri Krishnamurthy indicated the possibility of the launch carrying fire arms and the risk to life in tackling the launch which was more than twice the size of the departmental launch. The Inspector showed exceptional courage in chasing the Dubai vessel and finally intercepting it. While the Dubai vessel was very close to the departmental launch and while both the launches were running at high speed, Shri Krishnamurthy set an example by jumping himself into the

foreign launch at the risk of his life and also ordered the members of his party to follow him. The Inspector also exhibited tenacity of purpose, presence of mind and admirable devotion to duty in effecting the seizure of the launch with goods of very high value and apprehending every person present in it, despite the damage caused to the departmental launch during the operation. Shri Krishnamurthy showed the exceptional courage at the risk of his life.

(2) *Shri Ram Ambumal Bhambhani, Inspector (Ordinary Grade), Collectorate of Central Excise, Ahmedabad.*

In pursuance of an intelligence report regarding large scale landing of contraband goods by Arab Dhows on West coast, Shri Bhambhani, Inspector, alongwith another Inspector, two Sepoys and 9 crew members left for sea patrol at 15.00 hours on 6th February, 1974 on Government launch for patrolling opposite the Gujarat coast. They sailed deep into the sea off Umargaon and Dahanu and sighted one mechanised vessel, moving in suspicious manner at 16.30 hours on 7th February, 1974. The vessel appeared to be an Arab-dhow from its build and construction and appeared to be fully loaded from its movement in the sea. The suspected vessel, sensing that Customs launch was following it, started speeding away toward the deep sea. The officers thereupon gave a hot chase to the suspected craft for over an hour under adverse circumstances when the sea was very choppy as there was a heavy breeze and the visibility was very poor. As soon as they were within a distance of about 200 yards from the suspected craft, the Customs launch was faced with a continued burst of fire. Shri Bhambhani showed commendable courage by cleverly remaining beyond the effective range of firing from the Arab Dhow and continued the chase. Finally in face of heavy firing, the suspected craft was cornered and intercepted at about 18.30 hours. The alien craft was escorted to Umargaon Customs House in the small hours of 8-2-74. and the search thereof resulted in the seizure of 126 packages of fabrics of foreign origin valued at Rs. 15,53,087 and the vessel is valued at Rs. 2,20,000.

In effecting this seizure, Shri R. A. Bhambhani exhibited extraordinary presence of mind, leadership, exemplary courage and bravery regardless of personal danger to his life.

2. These awards are made under Clause (a) (i) of Para 1 of the Scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59-Ad. IIIB dated the 5th November, 1962, as amended from time to time.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1976

सं०ए-21021/11/75-प्रशा० III ख.—राष्ट्रपति जी, गणतंत्र दिवस, 1976 के अवसर पर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को, अपने जीवन को भी खतरे में डालकर कार्य करते समय की गई असाधारण प्रशंसनीय सेवा के लिये यह प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हैं:

(1) **श्री रेचिनम कृष्णमूर्ति, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता-कार्यालय, मदुरै ।**

सहायक समाहर्ता, सीमाशुल्क प्रभाग नागापत्तिनम द्वारा भेजी गई इस आशय की सूचना प्राप्त होने पर कि 2-6-74 रात्रि को अथवा परवर्ती रात्रियों को दुबाई की एक लांच नौका द्वारा निषिद्ध माल उतारे जाने की संभावना थी, श्री कृष्णमूर्ति, निरीक्षक, समुद्री अड्डा, कुट्टालोर ने विभागीय लांच नौका को समुद्री कार्यवाही के लिये तैयार किया और अत्यधिक गोपनीयता बरतकर लांच नौका के

कर्मीदल को भी संगठित किया और 2–6–74 को रात में लगभग 8.30 बजे उस समय समुद्र में चले गये जब उच्च ज्वार भाटा आया हुआ था। इस जोखिम भरे काम पर तैनात किये गये कर्मचारियों में एक मात्र निरीक्षक होने के कारण वे उक्त दल के नेता थे। वह उस सम्पूर्ण कार्यवाही को संचालित करने और 11 सदस्यों के उस सम्पूर्ण कर्मीदल की सुरक्षा के लिये जिम्मेदार थे जो उनके अधीन कार्य कर रहा था। श्री कृष्णमूर्ति को प्राप्त हुई गुप्त सूचना से इस संभावना का पता चला कि लांच नौका में अग्न्यास्त्र रखे हुए थे और इस लांच नौका का मुकाबला करने में जीवन के लिये खतरा निहित था। इस लांच नौका का आकार विभागीय लांच नौका के आकार के दुगने से भी अधिक था। उक्त निरीक्षक ने दुबाई के जलयान का पीछा करने और अन्ततः उसे रोकने में असाधारण साहस का परिचय दिया। जब दुबाई का जलयान विभागीय लांच नौका के बहुत निकट था और दोनों ही लांच नौकायें तीव्र गति से चल रही थी तो श्री कृष्णमूर्ति ने अपने जीवन को खतरे में डालकर स्वयं विदेशी लांच नौका में कूदकर एक उदाहरण कायम किया और अपने दल के सदस्यों को भी आदेश दिया कि वे उनका पीछा करें। उक्त निरीक्षक ने इस कार्यवाही के दौरान विभागीय लांच नौका को पहुंचाई गई क्षति के बावजूद भी ऊंचे मूल्य की वस्तुओं के साथ साथ उक्त लांच नौका को तथा उसमें उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को पकड़ने में दृढ़ संकल्प, प्रत्युत्पन्न मति एवं सराहनीय कर्तव्य निष्ठा का भी परिचय दिया। श्री कृष्णमूर्ति ने अपने जीवन को खतरे में डालकर असाधारण साहस का परिचय दिया।

(2) **श्री राम अन्वुभलभंभानी, निरीक्षक (सामान्य ग्रेड), केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ता-कार्यालय, अहमदाबाद।**

पश्चिमी तट पर अरब नौकाओं द्वारा बड़े पैमाने पर निषिद्ध माल के उतारे जाने के संबंध में एक गुप्त सूचना रिपोर्ट के अनुसरण में 6–2–74 को अपराह्न 3 बजे श्री भंभानी, निरीक्षक ने एक अन्य निरीक्षक, दो सिपाहियों और कर्मीदल के नो सदस्यों को साथ लेकर गुजरात तट के सामने गश्त लगाने की दृष्टि से एक सरकारी लांच नौका में समुद्री गश्त के लिये प्रस्थान किया। वे उमरगांव और दहानू से परे गहरे समुद्र में नाव पर बैठकर गये और उन्होंने एक यंत्रचालित जलयान को देखा जो 7-2-74 को अपरान्ह 4.30 बजे संदिग्ध तरीके से समुद्र में जा रहा था। यह यान बनावट और रचना के आधार पर एक अरब-नौका प्रतीत हुई और समुद्र में उसकी गति से ऐसा लगता था कि वह पूर्णतया लदी हुई थी। संदिग्ध जलयान को जब इस बात का आभास हुआ कि सीमाशुल्क विभाग की लांच-नौका उसका पीछा कर रही है तो उसने तीव्र गति से गहरे समुद्र की ओर बढ़ना शुरू किया। इस पर अधिकारियों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में संदिग्ध जलयान का एक घंटे से अधिक समय तक तेजी से पीछा किया जब कि समुद्र में बड़ी लहरें उठ रही थीं क्योंकि हवा तेज थी और दृश्यता बहुत कम थी। जैसे ही वे संदिग्ध जलयान से लगभग 200 गज की दूरी पर थे, सीमाशुल्क विभाग की लांच-नौका पर लगातार गोलाबारी की गयी। श्री भंभानी ने, प्रशंसनीय साहस का परिचय दिया। वे अरब नौकाओं से हो रही गोलियों की मार से बड़ी होशियारी के साथ दूर रहे और उनका पीछा करते रहे। अन्ततोगत्वा, भयंकर गोलाबारी के कारण संदिग्ध जलयान को घेर लिया गया और सायं लगभग 6.30 पर उसे रोक लिया गया। उस विदेशी नौका को सुरक्षा के साथ 8–2–74 के बड़े सबेरे उमरगांव सीमाशुल्क गृह पहुंचाया गया। इसकी तलाशी लेने पर उसमें विदेशी मूल्य के वस्त्रों के 126 पैकेज पाये गये जिनका मूल्य 15,53,087 रु० था और स्वयं नौका 2,20,000 रु० मूल्य की थी।

इस माल को पकड़ने में श्री आर०ए० भंभानी ने अपने जीवन पर आने वाले संकट की परवाह किए बिना असाधारण प्रत्युत्पन्नमति, नेतृत्व, अनुकरणीय साहस और शौर्य का परिचय दिया।

2. ये पुरस्कार सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादनशुल्क विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने संबंधी समय समय पर यथा संशोधित उस योजना की कंडिका 1 के खण्ड (क) (i) के अन्तर्गत दिये जाते हैं जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1 खण्ड I में अधिसूचना सं० 12/139/59-प्रशा०-III ख दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित की गयी है।

No. A-21021/11/75-Ad. IIIB.—The President is pleased, on the occassion of Republic Day 1976, to award an appreciation Certificate for Specially distinguished record of service to each of the undermentioned officers of the Central Excise, Customs, Narcotics Departments and the Directorate of Revenue Intelligence:—

1. Shri Sundarapandiam Rama Iyengar Satagopan, Superintendent, Collectorate of Central Excise, Madurai.
2. Shri Rustomji Jalejar Parakh, Superintendent, Bombay Custom House.
3. Shri Sant Prasad Srivastava, Preventive Inspector, Central Bureau of Narcotics, Gwalior.
4. Shri Narayan Bhaurao Gadekar, Intelligence Officer, Directorate of Revenue Intelligence, New Delhi.

2. These awards are made under Clause (a) (ii) of Para 1 of the Scheme governing grant of awards to the officers and staff of the Customs, Central Excise and Narcotics a s, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary No. 12/139/59-Ad. IIIB dated the 5th November, 1962 and No. 31/12/67-Ad. IIIB, dated 15th January, 1968 as amended from time to time.

M. A. RANGASWAMY, Addl. Secy.

सं० ए०-21021/11/75-प्रशा० IIIख.—राष्ट्रपति जी, गणतंत्र दिवस 1976 के अवसर पर केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, सीमाशुल्क, नार्कोटिक्स विभागों और राजस्व गुप्तचर्या निदेशालय के निम्नलिखित अधिकारियों में से प्रत्येक को उनकी उल्लेखनीय विशिष्ट सेवा के लिए यह प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान करते है :—

1. श्री सुन्दरापांडियम राम आयंगर सतगोपन, अधीक्षक,
 केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ता-कार्यालय, मदुरै।
2. श्री रुस्तमजी जलेजर पारख, अधीक्षक,
 बम्बई सीमाशुल्क गृह।
3. श्री सन्त प्रसाद श्रीवास्तव, निवारक निरीक्षक,
 केन्द्रीय नार्कोटिक्स ब्यूरो, ग्वालियर।
4. श्री नारायण भाऊराव गडेकर, गुप्तचर्या अधिकारी,
 राजस्व गुप्तचर्या निदेशालय, नई दिल्ली।

2. ये पुरस्कार सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क और नार्कोटिक्स विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने संबंधी, समय-समय पर यथा संशोधित, उस योजना की कंडिका 1 के खंड (क) (ii) के अन्तर्गत दिये जाते हैं जो भारत के राजपत्र असाधारण में अधिसूचना सं० 12/139/59 प्रशा० III-ख, दिनांक 5 नवम्बर, 1962 और सं० 31/12/67-प्रशा० III-ख, [दिनांक 15-1-68 के अन्तर्गत प्रकाशित की गयी है।

एम० ए० रंगास्वामी, अपर सचिव।

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976